भारत सरकार

रेल मंत्रालय

राज्य सभा

24.07.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 758 का उत्तर

गति शक्ति कार्गो टर्मिनलों का विकास, विस्तार और प्रभाव

758. डा. संदीप कुमार पाठक:
श्री आदित्य प्रसाद:
श्री मयंककुमार नायकः
श्री केसरीदेवसिंह झाला:
श्री सुभाष बराला
डा. परमार जशवंतसिंह सालमसिंहः
श्री चुन्नीलाल गरासिया:
श्री मिथलेश कुमारः

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) गति शक्ति कार्गो टर्मिनलों के विकास में अब तक हुई प्रगति, जिसमें चालू किए गए और निर्माणाधीन टर्मिनलों की संख्या सहित, का ब्यौरा क्या है;

(ख) इन टर्मिनलों से लाभान्वित होने वाली वस्तुओं और औद्योगिक क्षेत्रों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए नए स्थानों को मंजूरी दी गई है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) माल ढुलाई की संभलाई क्षमता, मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी और संभार-तंत्र दक्षता पर इन टर्मिनलों का क्या प्रभाव पड़ा है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): निजी निवेश के माध्यम से कार्गो टर्मिनलों की स्थापना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से, 'गति शक्ति मल्टी-मॉडल कार्गो टर्मिनल (जीसीटी)' नीति शुरू की गई है। गति शक्ति टर्मिनलों की अवस्थिति उद्योग से प्राप्त मांग, कार्गो यातायात की संभाव्यता, रेल अवसंरचना की उपलब्धता और क्षेत्र की समग्र लॉजिस्टिक संभाव्यता के आधार पर निश्चित की जाती है।

अभी तक, 142 गति शक्ति कार्गो टर्मिनलों (जीसीटी) को कमीशन किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त, 310 अतिरिक्त स्थानों पर गति शक्ति टर्मिनलों के विकास के लिए सैद्धांतिक अनुमोदन (आईपीए) प्रदान किया गया है। कमीशन किए गए 142 गति शक्ति टर्मिनलों की अनुमानित माल सम्हलाई क्षमता प्रति वर्ष 224 मिलियन टन (एमटीपीए) है। इस नीति के अंतर्गत इन गति शक्ति टर्मिनलों के माध्यम से लगभग 10,000 करोड़ रु. का निजी निवेश जुटाया गया है। वर्ष 2025-26 के दौरान इन गति शक्ति टर्मिनलों पर 146 मिलियन टन (एमटी) माल यातायात की सम्हलाई की गई।

गति शक्ति कार्गो टर्मिनलों के द्वारा विस्तृत श्रेणी की पण्यों की आपूर्ति की जाती है, जिनमें सीमेंट, इस्पात, खाद्यान्न, उर्वरक, कोयला, फ्लाई ऐश, खनिज, कंटेनर, ऑटोमोबाइल, कृषि उत्पाद और अन्य थोक तथा गैर-थोक पण्य शामिल हैं। इस नीति के अंतर्गत बेहतर रेल संपर्कता और आधुनिक कार्गो सम्हलाई अवसंरचना मुहैया कराए जाने से सीमेंट, इस्पात, ऊर्जा, खनन, कृषि, संभार तंत्र और विनिर्माण जैसे प्रमुख क्षेत्रों को लाभ पहुंचा है।

गति शक्ति कार्गो टर्मिनल (जीसीटी) नीति से उत्पादन और उपभोग केंद्रों, पत्तन, लॉजिस्टक हबों के निकट आधुनिक मल्टीमोडाल कार्गो टर्मिनलों का विकास सुसाध्य हुआ है, जिससे स्थानीय उद्योगों, कृषि उत्पादों और अन्य पण्यों के लिए रेल संपर्कता में सुधार हुआ है। इस नीति के अंतर्गत भंडारण, भंडार कक्षों, शीतगृहों और अन्य मूल्य वर्धित संभार सुविधाओं का निर्माण किया गया है जिससे आरंभिक स्थान और अंतिम स्थान की संभार लागत तथा पारगमन समय में कमी आई और माल ढुलाई को सड़क मार्ग से रेल मार्ग पर मोडल शिफ्ट करने में सुविधा हुई जिससे रेल आधारित संभार व्यवस्था की समग्र दक्षता और प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार हुआ है।

******